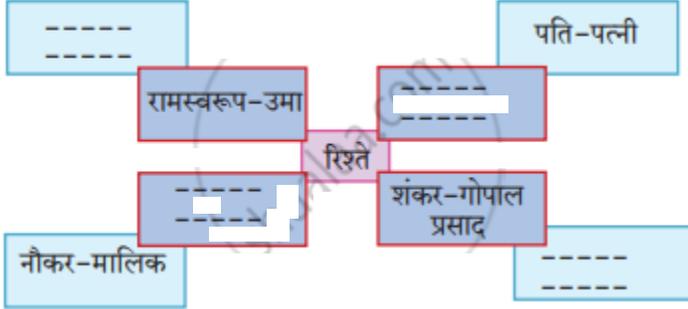


रीढ़ की हड्डी

स्वाध्याय [PAGE 40]

स्वाध्याय | Q (१) | Page 40

संजाल पूर्ण कीजिए

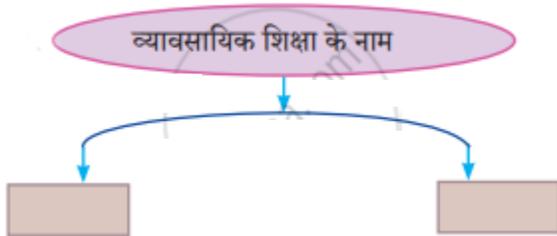


Solution:

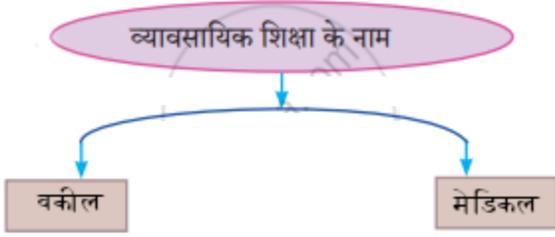
रामस्वरूप-उमा	पिता-पुत्री
पति-पत्नी	रामस्वरूप-प्रेमा
नौकर-मालिक	रतन-रामस्वरूप
शंकर-गोपाल प्रसाद	पुत्र-पिता

स्वाध्याय | Q (२) १. | Page 40

कृति पूर्ण कीजिए

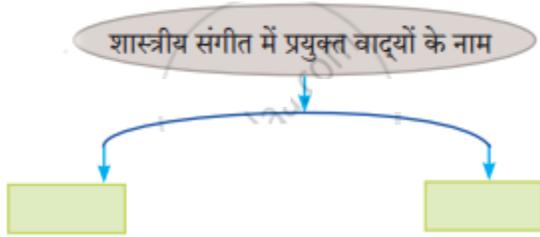


Solution:



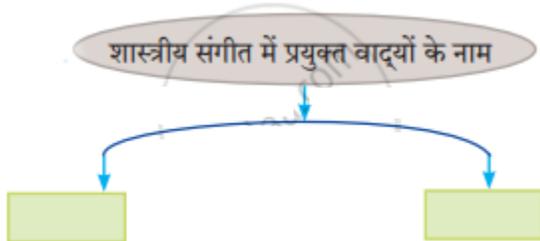
स्वाध्याय | Q (२) २. | Page 40

कृति पूर्ण कीजिए



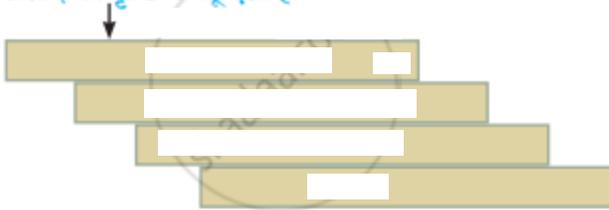
Solution:

कृति पूर्ण कीजिए



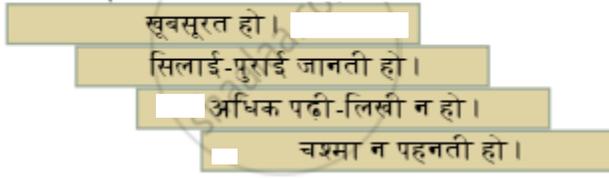
स्वाध्याय | Q (३) | Page 40

गोपाल प्रसाद की दृष्टि में बहू ऐसी हो :



Solution:

गोपाल प्रसाद की दृष्टि में बहू ऐसी हो :



स्वाध्याय | Q (४) १. | Page 40

कारण लिखिए :

बाप-बेटे चौंक उठे

Solution: उन्होंने उमा के चेहरे पर सुनहरी रिमवाला चश्मा देखा।

स्वाध्याय | Q (४) २. | Page 40

कारण लिखिए :

उमा को चश्मा लगा

Solution: पिछले महीने उमा की आँखें दुखने लगी थीं।

स्वाध्याय | Q (४) ३. | Page 40

कारण लिखिए :

रामस्वरूप ने हारमोनियम उठाकर लाने को कहा

Solution: रामस्वरूप, गोपाल प्रसाद और शंकर को दिखाना चाहते थे कि उनकी लड़की हारमोनियम बजाना जानती है।

स्वाध्याय | Q (४) ४. | Page 40

कारण लिखिए :

उमा को गुस्सा आया

Solution: गोपाल प्रसाद उमा के चश्मे, उसके गाने-बजाने, पेंटिंग, सिलाई और उसकी पढ़ाई आदि के बारे में एक के बाद एक प्रश्न करते जा रहे थे।

स्वाध्याय | Q (५) १. | Page 40

कृदंत बनाइए :

- पढ़ना
- समझना
- सीना

- चाहना

Solution:

- पढ़ना - पढ़ाकू
- समझना - समझदार
- सीना - सीनेवाला
- चाहना - चाहत

स्वाध्याय | Q (५) २. | Page 40

शब्दयुग्म पूर्ण कीजिए :

- पढ़े
- सभा
- पेंटिंग
- सीधा

Solution:

- पढ़े - लिखे
- सभा - सोसायटियों
- पेंटिंग - वेंटिंग
- सीधा - सादा

अभिव्यक्ति [PAGE 40]

अभिव्यक्ति | Q (१) | Page 40

सुनी-पढ़ी अंधविश्वास की किसी घटना में निहित आधारहीनता और अवैज्ञानिकता का विश्लेषण करके लिखिए।

Solution: मेरी दादी बड़ी अंधविश्वासी हैं। उनका मानना था कि कोई घर से बाहर जा रहा हो और किसी को छींक आ जाए तो जाने वाले का काम पूरा नहीं होगा किसी के बाहर जाते समय कोई छींक दे तो दादी बाहर जाने वाले को रोक देती थीं घर के सभी लोग उनकी इस आदत से परेशान थे। एक बार मेरे भाई को इंटरव्यू के लिए बाहर जाना था। यह इंटरव्यू हमारे जिले के सर्वश्रेष्ठ स्कूल में वाइस प्रिंसिपल के पद के लिए था। भाई काफी दिनों से इसके लिए तैयारी और प्रतीक्षा कर रहे थे। मुझे बहुत ख़ाँसी-जुकाम हो रहा था। जैसे ही भाई ने बैग उठाकर चलना चाहा, मुझे जोर-जोर से छींक आने लगीं। दादी ने भाई को जाने नहीं दिया और उनका वह महत्वपूर्ण इंटरव्यू छूट गया। घर के सभी लोग इस घटना से बहुत दुखी हुए। मैंने दादी को समझाया कि छींक एक स्वाभाविक क्रिया है। जुकाम होने पर नाक में एक प्रकार की सरसराहट होती है। नाक में मौजूद नर्व सेल इसका संकेत मस्तिष्क को भेजते हैं। मस्तिष्क इसकी प्रतिक्रिया में चेहरे, गले और छाती की मांसपेशियों को सक्रिय कर देता है, जिसके फलस्वरूप ये सब मिलकर तेज हवा

निकालकर बाहरी कणों को बाहर फेंक देते हैं। यही क्रिया छींक है। दादी के मन में भी भाई के इंटरव्यू को लेकर अफसोस था। उन्होंने मेरी बात समझी और धीरे-धीरे अपनी इस आदत को छोड़ दिया।

भाषा बिंदु [PAGE 41]

भाषा बिंदु | Q (१) | Page 41

निम्नलिखित वाक्यों में आए हुए अव्ययों को रेखांकित कीजिए और उनके भेद दिए गए स्थान पर लिखिए :

वाक्य	अव्यय भेद
गाय को घर के सामने खूँटे से बाँधा।	
वह उठा और घर चला गया।	
अरे ! गऊशाला यहाँ से दो किलोमीटर दूर है।	
वह भारी कदमों से आगे बढ़ने लगा।	
उन्होंने मुझे धीरे-धीरे हिलाना शुरू किया।	
मुझे लगा कि आज फिर कोई दुर्घटना होगी।	
वाह-वाह ! खूब सोचा आपने !	
चाची, माँ के पास चली गई।	

Solution:

वाक्य	अव्यय भेद
गाय को घर के सामने खूँटे से बाँधा।	संबंधसूचक अव्यय
वह उठा और घर चला गया।	समुच्चयबोधक अव्यय
अरे ! गऊशाला यहाँ से दो किलोमीटर दूर है।	विस्मयादिबोधक अव्यय, क्रियाविशेषण अव्यय, क्रियाविशेषण अव्यय
वह भारी कदमों से आगे बढ़ने लगा।	क्रियाविशेषण अव्यय
उन्होंने मुझे धीरे-धीरे हिलाना शुरू किया।	क्रियाविशेषण अव्यय

मुझे लगा कि <u>आज</u> फिर कोई दुर्घटना होगी।	क्रियाविशेषण अव्यय
<u>वाह-वाह</u> ! खूब सोचा आपने !	विस्मयादिबोधक अव्यय
चाची, माँ <u>के पास</u> चली गई।	संबंधसूचक अव्यय

भाषा बिंदु | Q (२) १. | Page 41

पाठ में प्रयुक्त अव्यय छाँटिए और उनसे वाक्य बनाकर लिखिए :

क्रियाविशेषण अव्यय

1. _____
2. _____

वाक्य

1. _____
2. _____

Solution: क्रियाविशेषण अव्यय

1. धीरे-धीरे
2. जल्दी

वाक्य

1. वह धीरे-धीरे चलता है।
2. तुम जल्दी से अपना गृहकार्य पूरा करो।

भाषा बिंदु | Q (२) २. | Page 41

पाठ में प्रयुक्त अव्यय छाँटिए और उनसे वाक्य बनाकर लिखिए :

संबंधसूचक अव्यय

1. _____
2. _____

वाक्य

1. _____
2. _____

Solution: संबंधसूचक अव्यय

1. के लिए
2. के अंदर

वाक्य

1. माँ ने मीना के लिए मिठाई लाई।
2. उसके घर के अंदर एक बिल्ली है।

भाषा बिंदु | Q (२) ३. | Page 41

पाठ में प्रयुक्त अव्यय छाँटिए और उनसे वाक्य बनाकर लिखिए :

समुच्चयबोधक अव्यय

1. _____
2. _____

वाक्य

1. _____
2. _____

Solution: समुच्चयबोधक अव्यय

1. और
2. लेकिन

वाक्य

1. बादल आए और वर्षा होने लगी।
2. मैं उसके घर गया लेकिन वह नहीं था।

भाषा बिंदु | Q (२) ४. | Page 41

पाठ में प्रयुक्त अव्यय छाँटिए और उनसे वाक्य बनाकर लिखिए :

विस्मयादिबोधक अव्यय

1. _____
2. _____

वाक्य

1. _____
2. _____

Solution: विस्मयादिबोधक अव्यय

1. अरे!
2. वाह!

वाक्य

1. अरे! आओ इधर भी।
2. वाह! आप भी खूब खेलें।

भाषा बिंदु | Q (3) | Page 41

नीचे आकृति में दिए हुए अव्ययों के भेद पहचानकर उनका अर्थपूर्णस्वतंत्र वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

काश !	अव्यय	हाय
बाद		प्रायः
बल्कि		और
यदि _तो		के पास
वाह !		इसलिए
के अलावा		की तरफ
के लिए		कारण
क्योंकि		अच्छा

Solution:

	अव्यय	वाक्य
काश !	विस्मयादिबोधक अव्यय	<u>काश!</u> मैं परीक्षा में प्रथम आती।
बाद	क्रियाविशेषण अव्यय	<u>बाद</u> में खेलने जाना।
बल्कि	समुच्चयबोधक अव्यय	वह कक्षा में ही प्रथम नहीं आई, <u>बल्कि</u> पूरे राज्य में प्रथम आई।

यदि_तो	समुच्चयबोधक अव्यय	यदि उसे मिलना हो, तो दो बजे से पहले आए।
वाह!	विस्मयादिबोधक अव्यय	वाह! कितना सुंदर नजारा है।
के अलावा	संबंधसूचक अव्यय	अंगद के अलावा सभी कक्षा में उपस्थित हैं।
के लिए	संबंधसूचक अव्यय	दादा जी के लिए खाना लाओ।
क्योंकि	समुच्चयबोधक अव्यय	मैं यहाँ नहीं बैठूँगा, क्योंकि यहाँ गंदगी है।
हाय	विस्मयादिबोधक अव्यय	हाय! यह क्या हो गया।
प्रायः	क्रियाविशेषण अव्यय	प्रायः हम बड़े सवेरे ही सैर पर जाते हैं।
और	समुच्चयबोधक अव्यय	माँ और दीदी बाजार गई हैं।
के पास	संबंधसूचक अव्यय	बच्चे घर के पास खेल रहे हैं।
इसलिए	समुच्चयबोधक अव्यय	वह पढ़ता नहीं था, इसलिए फेल हो गया।
की तरफ	संबंधसूचक अव्यय	घर की तरफ मंदिर है।
कारण	संबंधसूचक अव्यय	तेज बारिश के कारण बाढ़ आ गई।
अच्छा	विस्मयादिबोधक अव्यय	अच्छा! तुम भी आ जाना।
नहीं_तो	समुच्चयबोधक अव्यय	तुम मेहनत से पढ़ाई करो नहीं करोगे तो फेल हो जाओगे।

उपयोजित लेखन [PAGE 41]

उपयोजित लेखन | Q (१) | Page 41

अपने परिसर में विद्यार्थियों के लिए 'योगसाधना शिविर' का आयोजन करने हेतु आयोजक के नाते विज्ञापन तैयार कीजिए।

Solution:

योगसाधना शिविर
सर्व मंगलदल द्वारा आयोजित
स्वस्थ तन में स्वस्थ मन का वास होता है।

- शरीर स्वस्थ रखने का सर्वोत्तम पर्याय – योगासन
- आपके परिसर में पहली बार विद्यार्थियों के लिए
- पंद्रह दिनों का योग शिविर

योगसाधना शिविर की विशेषताएँ:

- उत्कृष्ट प्रशिक्षक
- योगक्रियाओंका प्रात्यक्षिक प्रदर्शन
- प्राणायाम व योगासन का अधिकाधिक अभ्यास
- योगक्रिया हेतु आवश्यक सामग्री निःशुल्क

संपर्क

श्री. रविशंकर मित्तल

अखंड व्यायामशाला,

दादर।

कालावधि: ०२ नवंबर से १२ दिसंबर, २०१९

समय: सुबह ८ से १० बजे तक

भ्रमणध्वनि: 8000125456

ई-मेल आईडी: ravishankar@gmail.com